विद्या मन्दिर देवरिया में मनाया गया भारत विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस

देवरिया।। नगर के सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्या मन्दिर देवरिया खास देवरिया के माधव सभागार में आज १४ अगस्त २०२४ को प्रार्थना सभा में **भारत विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस** मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुवात अतिथि **मा० विष्णु गोयल जी** प्रान्तीय कुटम्ब प्रबोधन प्रमुख गोरक्षप्रान्त एवं सेवा भारती संगठन के उपाध्यक्ष तथा विद्वान अधिवक्ता देवरिया न्यायालय और विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अनिरुद्ध सिंह द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ हुआ अतिथि परिचय व कार्यक्रम की प्रस्तावना मा० प्रधानाचार्य जी ने रखा। अपने उद्‌बोधन में छात्रों को सम्बोधित करते हुए मा० मुख्य अतिथि श्री गोयल ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का का वर्णन करते हुये छात्रों को उस समय की परिस्थितियों से रुबरु कराया। उन्होंने मदल लाल ढींगरा प्रफुल्लचन्द्र त्यागी, भगत सिंह, राजगुरु, राम प्रसाद विस्मिल, सुखदेव, उधम सिंह आदि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का जिक्र करते हुये उनके द्वारा दिये गये बलिदानों को याद दिलाया। उन्होने बताया कि १९११ से लेकर १९२० तक कई आन्दोलन हुये जिसका नेतृत्व अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने किया। उन्होनें केशव बलिराम हेडगवार का जिक्र करते हुये बताया कि देश का गुलाम होना कांग्रेस की नीतियों की देन थी इसलिये हेडगवार ने कहा कि मैं एक ऐसा संगठन खड़ा करुंगा जो कांग्रेसी विचारधारा को खत्म करेगी चाहे इसमें १०० वर्ष ही क्यों न लग जाय। उन्होंने जलियाँ वाला बाग कांड की घटना का उल्लेख करते हुये छात्रों को बताया कि रोलेक्ट एक्ट के विरोध में यह कांड हुआ। १९२९ में भगत सिंह ने लाहोर असेम्बली मे ंबम फेका। २३ मार्च १९३१ को भगत सिंह सुखदेव , राजगुरु को फांसी दी गई। इसके बारेमें गाँधी जी पूछा गया तो उन्होने कहा कि वे लोग स्वतंत्रता सेनानी नही बल्कि आन्तकवादी है। ऐसी घटिया सोच एवं विचार धारा थी कांगेस की। अगर गाँधी जी से हस्तक्षेप किया होता तो शायद उनकी फांसी रुक सकती थी। उन्होंने चौरा-चौरा कांड के बारे में बताते हुये कहा कि उसका नेतृत्व गोरक्षमठ के मठाधीश श्री दिग्विजय नाथ जी ने किया था। अपने सम्बोधन में उन्होने कई आन्दोलनो - असहयोग आन्दोलन ,नमक आन्दोलन आदि का जिक्र करते हुये छात्रों को भारत की गुलामी क्रान्तिकारी आन्दोलनो तथा उसमे बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में बताया । छात्रों ने उत्साह ने उनका सम्बोधन सुना। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य कर्मचारी एवं छात्र भैया उपस्थित रहे।

प्रधानाचार्य